# A–588

**Total Pages : 3** **Roll No. .....**

# BAJY–102

## जन्म कुण्डली निर्माण

## कला में स्नातक (ज्योतिष) बी.ए.

प्रथम वर्ष, सत्र 2024 (June)

समय : 2:00 घंटा पूर्णांक : 70

**नोट :** – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

### खण्ड–क

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)** 2×19=38

**नोट :** – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भयात एवं भभोग के साधन विधि को बताते हुए चन्द्रस्पष्ट साधन विधि का वर्णन कीजिए।

2. सूर्योदय 5-50, दिन शुक्रवार, जन्म समय रात्रि 10-20 मंगल गति 42'-18", पंक्तिकाल प्रातः 5-30 शनिवार, पंक्तिकालिक स्पष्ट मंगल 4-13°-52'-34" है तो जन्मकालिक इष्टकाल एवं स्पष्ट मंगल का साधन कीजिए।

3. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा प्रथम लग्न का साधन कीजिए।

4. ससंधि द्वादश भाव साधन विधि का प्रतिपादन कीजिए।

5. विंशोत्तरी दशा एवं अन्तर्दशा साधन की विधियों का वर्णन कीजिए।

## खण्ड–ख

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)** 4×8=32

**नोट :** – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा इष्टकाल साधन विधि का प्रतिपादन कीजिए।

2. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा भयात एवं भभोग का साधन कीजिए।

3. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा दशम लग्न का साधन कीजिए।

4. सम्पातिक काल से प्रथम लग्नानयन विधि का निरूपण कीजिए।

5. इष्टकाल 25-35, दिनमान 32-24 तो नतोन्नत काल का साधन कीजिए।

6. चालन धन एवं ऋण को समझाते हुये यदि जन्म वारादि इष्टकाल 2-14-34 तथा पंक्तिस्थ वारादि 3-30-25 है तो चालन का साधन कीजिए।

7. पंचधा मैत्री का प्रतिपादन कीजिए।

8. ग्रहों की राशि एवं उच्चनीच राशियों को लिखिए।

**********